sindhu chaupal

SINDHU CHAUPAL
www.sindhuchaupal.com
हर खबर आप तक

04/05/2026 / Monday

www.sindhuchaupal.com

हा, असीं सिंधी आहियूं
सिंधी हुजण ते फख्रः हिक अज़ीम सफर

एपिसोड 9: मिरखशाह की छटपटाहट और आकाशवाणी का खौफ

सिंधु तट पर गूँजी उस दिव्य आकाशवाणी की खबर जब ठट्टा के महल तक पहुँची, तो मिरखशाह के अहंकार के मज़बूत कंगूरे पहली बार थरथरा उठे। यह सूचना मात्र एक खबर नहीं थी, बल्कि उसके जुल्म के साम्राज्य पर गिरी वह पहली आसमानी बिजली थी जिसने उसके भीतर एक अनजाना डर पैदा कर दिया था। जैसे ही गुप्तचरों ने बताया कि वरुण देव ने साक्षात अवतार लेने की घोषणा की है, मिरखशाह के चेहरे की रंगत उड़ गई। वह बादशाह, जो अब तक हज़ारों बेगुनाहों की गर्दन पर तलवार रखकर खुद को खुदा समझ रहा था, आज एक अदृश्य भविष्यवाणी के सामने असहाय खड़ा था। दरबार में फैला वह सन्नाटा मिरखशाह को किसी मौत की खामोशी की तरह चुभने लगा।

बादशाह का क्रोध उसकी घबराहट को छुपाने का एकमात्र हथियार था। उसने गुस्से में अपने मंत्रियों पर चिल्लाते हुए कहा कि "कैसे दरिया की लहरें उसकी हुकूमत को चुनौती दे सकती हैं?" लेकिन उसका यह शोर उसके भीतर की कायरता को दबा नहीं पा रहा था। वह सिंहासन पर बैठता तो उसे वह काँटों की तरह चुभता, और जब वह महल की बालकनी से बाहर देखता तो उसे हर लहर में अपने अंत की गूँज सुनाई देती। मिरखशाह की रातों की नींद उड़ चुकी थी। वह रात भर अपनी तलवार को म्यान से बाहर निकालकर हवा में लहराता, मानो वह उस भविष्यवाणी का गला घोंटना चाहता हो। उसकी आँखों में एक ऐसी बेचैनी घर कर गई थी, जिसने उसे अपने ही साये से डराना शुरू कर दिया था।

सत्ता के गलियारों में अब रणनीति की जगह खौफ ने ले ली थी। मिरखशाह अपने वजीरों पर बिना बात के बरस पड़ता और उन्हें आदेश देता कि हर उस शख्स को खत्म कर दिया जाए जो इस भविष्यवाणी की चर्चा कर रहा है। वह अपनी छटपटाहट में पागलों की तरह महल की दीवारों के बीच चक्कर काटता, यह सोचकर कि जिस शक्ति ने आकाशवाणी की है, वह उसे कैसे और कहाँ से चुनौती देगी। मिरखशाह का क्रोध अब एक ऐसी आग बन चुका था जो उसे खुद ही जला रही थी। अधर्म के उस राजा को पहली बार एहसास हुआ कि संसार में एक ऐसी शक्ति भी है जो उसकी तलवार की धार से कहीं अधिक पैनी और अजेय है। मिरखशाह की यह तड़प इस बात का प्रमाण थी कि सत्य की एक गूँज मात्र, अत्याचार के विशाल महलों की जड़ें हिलाने के लिए काफी होती है।